



रजत कुमार गुप्ता

वैसे मसला एकतरफा नहीं है। खुद मोटी जी मी तीन राज्यों के धमाकेदार जीत पर मुस्कुरा कर चल रहे हैं। विपक्ष और

यासकर कांग्रेस इस झटके से सही तरह उबर नहीं पायी है। बड़े दावे किये थे लेकिन जब डब्ल्यू खुला तो बोलती बंद हो गयी।

अब ईवीएम की शिकायत करते रहिए। पता नहीं इस जंतर में वया जादू है कि सोचता कुछ हूँ और रिजल्ट कुछ और ही आ जाता है। लेकिन इससे एक समस्या और खड़ी हो रही है, वह ही जीत वाले राज्यों के पुराने नेताओं का वया होगा। खासकर मध्यप्रदेश के शिवराज सिंह चौहान को देखना होगा। पार्टी की वरीयता और मुख्यमंत्री के तौर पर उनके कार्यकाल के लिहाज से वह भाजपा के बड़े कद के नेता हैं। इसलिए वह चुपचाप हथियार ढाल देंगे, इसके बाद घनखड़ी की मिमिकी भी हुई।

प्रदेश > अपडेट

बड़वानी हादसे के मामले में यादव ने ली जानकारी भोपाल : मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने बड़वानी में हुई सड़क दुर्घटना के संबंध में जानकारी प्राप्त की। डॉ यादव ने प्रशासन को घायलों के सम्मति उपचार कराने के निर्देश दिए हैं। बड़वानी जिला मुख्यालय के बाहरी हिस्से में कल देर रात एक यात्री बस पलट जाने से करीब 20 यात्री घायल हो गए।

विशेषण

गाजा के नागरिक इलाकों की सैटेलाइट तस्वीरों का विशेषण

इजरायल ने वहाँ सैकड़ों बम गिराये हैं

►हमास एक विशाल सुरंग नेटवर्क पर निभर है

►अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून अंधाधुंध बमगारी पर रोक लगाता है

एजेंसियां



शॉर्ट न्यूज़ अपडेट्स >

वैकुंठ एकादशी पर मंदिरों में लगा श्रद्धालुओं का तांता

हैंदरायाद : तेलंगाना में वैकुंठ एकादशी के दिन शनिवार तक डॉ बड़वानी जिला मुख्यालय के द्वारा आयोगी और ग्रामीण नियंत्रण करने के अवसर की प्रतीकृति कर रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थानों की धर्मनियोग प्रक्रिया को लेकर वित्तीय कार्रवाई देखी गई।

इसके द्वारा आयोगी और ग्रामीण नियंत्रण करने के अवसर की प्रतीकृति कर रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थानों की धर्मनियोग प्रक्रिया को लेकर वित्तीय कार्रवाई देखी गई।

बंगलुरु : कर्नाटक प्रदेश भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष विजयंद योद्धियां एक देवताओं के दर्शन करने और प्रार्थना करने के अवसर की प्रतीकृति कर रहे हैं।

शैक्षणिक संस्थानों में हिंजाव पर

प्रतिबंध हटाने के मुख्यमंत्री सिद्धारमेया के फैसले पर

नाखुनी जतायी है। श्री योद्धियां एक देवताओं के लिए

उन्होंने यह भी कहा कि रिहायरमेया सरकार

शैक्षणिक संस्थानों में

धार्मिक पोषक की

अनुमति देकर युवा

मास्तिष्क की धार्मिक आधार

पर विभाजित करने का

बढ़ावा दे रही है।

संक्षिप्त > अपडेट्स

हिमाचल विस में अब सेव लेकर पहुंचा विषय

धर्मशाला : विधान सभा के शीतकालीन सत्र के अंतिम दिन भी विषय ने काग्रेस सरकार की गोरीटों को लेकर सदन के बाहर खुल गया।

विषय के विधायक सेव की पेटियां लेकर विधानसभा पहुंचे और सरकार से पूछा कि

सरकार ने बागवानों को फौलों के दाम खुद तय करने की गारंटी दी थी वो कब पूरी होगी। विषय के विधायकों ने आरोप लगाया कि काग्रेस

सरकार ने बागवानों से धोखा

किया है जो बादशत नहीं होगा।

नेता कहा कि काग्रेस से सत्ता में आने से पहले 10 गोरीटों दी

थी जिनमें एक गारंटी बागवानों को उनके फौलों के दाम खुद तय करने की

पूरी तरीके से पूरा

नहीं किया गया है। जब

फिसन बागवान सरकार के

पास इस गारंटी को लेकर

पहुंचे तो सरकार ने कहा कि

दुनिया में कहीं भी ऐसा कानून नहीं है जहाँ बागवान खुद अपने

फौलों का दाम तय कर सकते हैं। श्री गारंटी ने पूछा कि जब

ऐसा कानून ही नहीं है तो

काग्रेस ने ऐसी झूली गारंटी

बागवानों को दी। सरकार

ने किसने बागवानों को ठगा है

इसलिए विषय लगातार गारंटी को याद दिलाने का काम कर रही है।

शाहजहांपुर क्रियतात्त्व

प्रेम प्रसंग में प्रेमिका

ने की प्रेमी की हत्या

शाहजहांपुर उत्तर प्रदेश में

शहरी क्रेत्र के थाना

मिर्जापुर क्षेत्र स्तर पर

प्रेमिका के साथ मिलकर पहले

प्रेमी की हत्या कर शव को

जलाने का मामला प्रकाश में

आया है। पुलिस अधीक्षक

अशक्त क्रुपाकारी को थाना

मिर्जापुर क्षेत्र के थाना

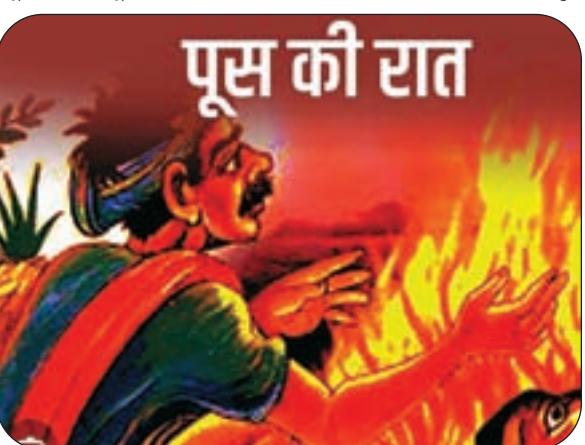
प्रेमचंद की कहानी पूस की रात से आगे

मुश्ति प्रेमचंद और उनकी कालजयी रचनाएँ हिन्दी साहित्य के लिए किसी परिचय के मोहताज कभी नहीं रहे। हिन्दी भाषा में अनेक लोगों ने उनकी रचनाओं, भाषा शैली तथा आम आदमी को स्पर्श करती भावनाओं को न सिर्फ समझा बल्कि उनपर अनेक शेषी भी हुए। बावजूद इसके काफी लंबे अंतराल में भी उस कड़ी को आगे बढ़ाने का काम उपेक्षित रहा।

जिनलोगों को जानकारी नहीं है, उनके लिए यह बताना



राज लक्ष्मी
सहाय
रांची: बड़ी
मुश्किल से
कम्बल के
लिए तीन



हल्की रक्तरक्ती करता कि रोंगे आ रोंगे बर्फ का रेशा बन जाता। पूस की रात-टूटी खटिया पर लेय

एक समृद्ध इतिहास से उनको परिचित करना ही होगा कि मुश्ति प्रेमचंद को हिन्दी साहित्य में आज भी याद किया जाता है। मुश्ति प्रेमचंद (31 जुलाई 1880-8 अक्टूबर 1936) का जन्म वाराणसी से घार मील दूर लम्ही गाँव में हुआ था। उनका असली नाम धनपत राय श्रीवास्तव था। उनकी शिक्षा का आरंभ उर्दू, फारसी पढ़ने से हुआ और रोजगार का पढ़ाने से। 1898 में मैट्रिक की परीक्षा के पास करने के बाद वह एक स्थानिक पाठशाला में अध्यापक नियुक्त हो गए। 1910 में बहु छंटर और

नहीं हिम बह रहा था। जबरा को हल्कू ने अपने फटे कम्बल में लेपेट लिया। मैत्री का अद्भुत

रहा था। हल्कू को हिमत न होती थी कि उठे और उठे भाइ। शीतों की बरसात में पैर ही जम जाएंगे। जानवृत्तकर पड़ा रहा, उस फटी कम्बल को लेपेटे। उसका कुत्ता जबरा अपनी स्वामिभक्ति दिखाते हुए कम्बल से निकला और खत की ओर दौड़कर दौड़कर भूंकना शुरू किया। कम्बल का एक रोंगे तो जम रहा था। हल्कू ने पते जमा किये और अग जलाकर बैठ गया। थोड़ी राहत हुई।

भोज हुई। खेत पर नजर पड़ी। नीलगायों ने खेत सफाचत कर दिया था। तनिक बुरा न लगा था हल्कू को। उल्टे राहत हुई।

सोच रहा था-

“पहरा देने तो न आना पड़ेगा पूस की रात में। भला हो नीलगायों का

‘मन कह रहा था हल्कू का-

‘बिना कम्बल के खेत में कोई

1919 में बी.ए. के पास करने के बाद स्कूलों के डिप्टी सब-इंस्पेक्टर नियुक्त हुए। उनकी प्रसिद्ध हिन्दी रचनायें हैं; उपन्यास: सेवासद्धन, प्रेमाश्रम, निर्मला, रंगभूमि, गबन, गोदान; कहानी संग्रह: नमक का दरोगा, प्रेम पर्चीसी, सोजे वतन, प्रेम तीर्थ, पाँच फूल, सप्त सुमन; बालसाहित्य: कुत्ते की कहानी, जंगल की कहानियाँ आदि।

इन कहानियों को आगे बढ़ाने का साहस किया है

कैसे चौकसी कर सकता है। वह और उसका जबरा दोनों घर में-फटी कम्बल से जाड़ा काट लेंगे। पूस कट जाए तो अगले साल तक लगाती तो दूसरा सुराख मुँह बाये तैयार। आखिर में हल्कू का सर

श्रीमती राजलक्ष्मी सहाय ने। यह काम कोई आसान काम नहीं था क्योंकि हिन्दी लेखन में उपन्यास समाचार के नाम से भी सुशोभित किया गया है। श्रीमती सहाय ने इन्हें कालजयी रचनाओं को आधुनिक परिपेक्षा में फिर से आगे बढ़ाने का बीड़ा उठाया है, जो अपने आप में एक कठिन काम है। हम इसी कड़ी में प्रेम चंद की प्रमुख रचना पूस की रात की कड़ी में राजलक्ष्मी सहाय द्वारा लिखित पूस की रात से आगे को प्रकाशित कर रहे हैं।

समाने लगा। वह कम्बल को कमीज की तरह माथे में डालकर पहन लेता। कम्बल को काटकर वैसी ही कमीज बनाकर वह कृपा से कम्बल खरीद लेगा। यह पूस का महीना काल की भाँति व्याप्त आता है हर साल।

पुराना कम्बल जैसे जैसे चौथड़ी हो रहा था हल्कू की देह भी कमज़ोर चौथड़ी की भाँति दिखाई देती। फिर न फसल हुई, न पूरी मजदूरी मिली न कम्बल लिया गया। मजदूरी का पैसा एक एक हाथ में मिलता-दूसरे हाथ से कर्ज चुकाने में निकल जाता। हल्कू की पत्ती कई घरों में साफ-सफाई अनाज फटकने, चूनने, जीनने का काम करती। बासी रोटियाँ और बचा हुआ खाना किसी न किसी घर में मिल ही जाता। इतनी दयालुता पर मुनी रीढ़ जाती थी। (जारी)

मुख्यमंत्री हेमन्त सोदेरे गोला में आयोजित सरकार, आपके द्वारा कार्यक्रम में हुए शामिल

49 करोड़ 95 लाख रुपए की योजनाओं का किया उद्घाटन

►पेशेंश से विवित न रहे

►युवाओं को सरकारी और गैर सरकारी नौकरी से जोड़ने का कार्य हो रहा है



उच्च स्तरीय सड़क का निर्माण किया जा रहा है। जल्द ये सड़कों में आधारशिला रखी जाएगी। रामगढ़ जिला में आवागमन को बेहतर करने के उद्देश्य से 250 करोड़ रुपए की लागत से 400 किमी गोला प्रखंड एवं 450 करोड़ 95 लागत से 250 किमी

रही है। यहाँ के युवाओं को सरकारी और गैर सरकारी नौकरी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। रामगढ़ जिला का परात्म प्रखंड पर्स्टन स्थल है। यहाँ के युवा दर्शनीय स्थल में स्वरोजगार के लिए रोजगार सुजन योजना का लाभ लेकर आधिकारिक स्वावरण्वन की ओर अधिकर हो सकते हैं। इस कार्य में सरकार आपके दरवाजे को खटखटाया रही थी। इन शिविरों से प्रात धूर्व में कुछ अच्छा कार्य हुआ होता तो इतने सारे अवेदन कैसे प्राप्त हुए। 2019 से पूर्व सामान्य जीवन रहने के बाद भी कार्य नहीं किया गया। जबकि वर्तमान सरकार गठन के उपरांत कोरोना संक्रमण ने झारखण्ड समेत पूरी दुनिया को आयोजनाओं का लाभ ले रहे हैं।

महायारी के बाद पदाधिकारी आपके द्वारा पहुंचे :

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में पचायत पचायत शिविर का आयोजन हो रहा है। इन शिविरों में लोग राज्य सरकार की योजनाओं का लाभ ले रहे हैं। लगातार नियुक्ति निकली जा रही है। अपने चेपेट में ले लिया।

अरण्ण उर्यांव ने दायर की जनहित याचिका

रांची : भाजपा के राष्ट्रीय नेता और पूर्व आईपीएस अरुण उर्यांव ने झारखण्ड हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल की है। उन्होंने आपने अधिकारी अभ्यासित्री के माध्यम से हाईकोर्ट में जनहित याचिका दाखिल करा है कि झारखण्ड में पिछले कार्रवाई में जनहित याचिका दाखिल करा है। इस कार्रवाई में मरी लॉन्डिंग आए हैं। इन्होंने जांच के दौरान राज्य सरकार के कार्रवाई के ऊपर कार्रवाई की भी अनुशंसा की।

हम रैपिड एंटीजन टेस्ट का उपयोग करके उनका कोविड-19 मामलों का शीघ्र और पृष्ठ पर लगाने में मदद करेंगे।

उन्होंने एंटीजन जांच की जा रही है।

इस कार्रवाई में जनहित याचिका दाखिल करा है।

जनहित याचिका दाखिल करा ह